सुनलो पुकार बाबोसा सरकार

स्वार्थ की दुनिया को छोड़के.
आया बाबोसा तेरे द्वार...
स्वार्थ की दुनिया को छोड़के ,
आया में तेरे द्वार सुनलो ये मेरी पुकार
में तो गया हूं हार , सुनलो बाबोसा सरकार,
करो विनती मेरी स्वीकार
सुनलो ये मेरी पुकार

हर खुशी हुई ओझल , छाये गम के अंधरे
जो कल तक थे अपने , वो आज नही मेरे
एक यही अरदास , बनू में प्रभु चरणो का दास
कर दो प्रभु उपकार सुनलो ये मेरी पुकार

अब छोड़कर तुमको , कही और नही जाऊँ
तेरी चोखट पे " दिलबर " , सारी उम्र बिताऊँ
कहे देव ये बारम्बार , छुटे कभी ना ये दरबार
बाबोसा सरकार

स्वार्थ की दुनिया को छोड़के ,आया में तेरे द्वार,
सुनलो ये मेरी पुकार बाबोसा सरकार

रचनाकार
दिलीप सिंह सिसोदिया " दिलबर "

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18760/title/sunlo-pukar-babesa-sarkar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |